Original Article
ISSN (Online): 2582-7472

ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts
June 2024 5(6), 1367–1373

जनसंपर्क विभाग के उपक्रम 'मध्यप्रदेश माध्यम' द्वारा निर्मित स्वास्थ्य संबंधी फिल्मों के प्रभाव का अध्ययन-एक मात्रात्मक शोध

संजय विजयवर्गीय [1], डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव [2]

[1] (शोधार्थी) जनसंचार विभाग, सैम वैश्विक विश्वविद्यालय, कोलुआ गाँव, आदमपुर, रायसेन मार्ग, भोपाल (मध्यप्रदेश)
[2] (शोध पर्यवेक्षक) जनसंचार विभाग, सैम वैश्विक विश्वविद्यालय, कोलुआ गाँव, आदमपुर, रायसेन मार्ग, भोपाल (मध्यप्रदेश)

Check for updates

ABSTRACT

यह मात्रात्मक शोध पत्र 'मध्यप्रदेश माध्यम' द्वारा निर्मित स्वास्थ्य संबंधी फिल्मों के प्रभाव का विश्लेषण करता है, जो कि मध्यप्रदेश सरकार के जनसंपर्क विभाग के सामाजिक परिवर्तन का सूत्रधार है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य इन फिल्मों की प्रभावशीलता का आकलन करना है, विशेष रूप से स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने, व्यवहारगत परिवर्तन लाने और स्वास्थ्य जानकारी के प्रसार में जनसंपर्क मीडिया की भूमिका को समझने के लिए। भोपाल के 200 उत्तरदाताओं (100 पुरुष और 100 महिलाएं) से संरचित प्रश्नावली और साक्षात्कार के माध्यम से तथ्य एकत्र किया गया। SPSS और एक्सेल जैसे सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग करके किए गए विश्लेषण में यह निष्कर्ष निकला कि ये फिल्में स्वास्थ्य जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अध्ययन के परिणामों से यह भी पता चला कि महिलाओं के बीच इन फिल्मों का प्रभाव अधिक था, जिससे उनमें स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन देखने को मिला। यह शोध नीति निर्माताओं और स्वास्थ्य संगठनों को स्वास्थ्य संचार अभियानों की पहुंच और प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए उपयोगी सुझाव प्रदान करता है।

Keywords: जनसंपर्क, स्वास्थ्य जागरूकता, स्वास्थ्य फिल्में, मात्रात्मक शोध, मध्यप्रदेश माध्यम, प्रभाव मूल्यांकन।

Corresponding Author
संजय विजयवर्गीय, sanjvij@gmail.com

DOI
10.29121/shodhkosh.v5.i6.2024.4721

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2024 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

1. परिचय

मध्यप्रदेश माध्यम, जनसंपर्क विभाग का एक प्रमुख उपक्रम है, जो स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी फिल्में निर्मित करता है। स्वास्थ्य जागरूकता एक महत्वपूर्ण सामाजिक विषय है, जो समुदायों में स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने और स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम के लिए आवश्यक है। सरकार और जनसंपर्क विभाग द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य अभियानों के माध्यम से नागरिकों को जागरूक करने का प्रयास किया जाता है।

स्वास्थ्य संबंधी फिल्में सूचना और शिक्षा के प्रभावी साधन के रूप में कार्य करती हैं। वे दृष्टिगत और श्रव्य माध्यमों का उपयोग करके स्वास्थ्य विषयों को सरल और सुलभ तरीके से प्रस्तुत करती हैं। यह अध्ययन विशेष रूप से मध्यप्रदेश माध्यम द्वारा निर्मित स्वास्थ्य संबंधी फिल्मों के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए किया गया है। इन फिल्मों के माध्यम से लोगों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और उनके व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया जाता है।

How to cite this article (APA): Vijayvergiya, S., and Srivastava, S. K. (2024). Study Of The Impact Of Health Films Produced By 'Madhya Pradesh Madhyam', An Initiative Of The Public Relations Department- A Quantitative Research. *ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts, 5*(6), 1367–1373. doi: 10.29121/shodhkosh.v5.i6.2024.4721

स्वास्थ्य फिल्मों के प्रभाव को मापने के लिए मात्रात्मक शोध पद्धति अपनाई गई है। भोपाल क्षेत्र के 200 प्रतिभागियों से तथ्य एकत्र किया गया, जिनमें 100 पुरुष और 100 महिलाएं शामिल हैं। प्रश्नावली और साक्षात्कार के माध्यम से प्रतिभागियों की स्वास्थ्य जागरूकता, व्यवहार परिवर्तन और माध्यम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया।

यह शोध न केवल स्वास्थ्य फिल्मों की उपयोगिता को रेखांकित करता है, बल्कि नीति निर्माताओं और जनसंपर्क विशेषज्ञों को भविष्य की योजनाओं के लिए उपयोगी सुझाव भी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, यह अध्ययन स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए आवश्यक सुधारों की पहचान करने में भी सहायक होगा।

2. अध्ययन के उद्देश्य

1. स्वास्थ्य जागरूकता के स्तर में वृद्धि का मूल्यांकन।
2. स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार परिवर्तन का अध्ययन।
3. जनसंपर्क माध्यमों की प्रभावशीलता का विश्लेषण।

3. शोध पद्धति

शोध पद्धति किसी भी अध्ययन का मूलभूत आधार होती है, जो यह निर्धारित करती है कि तथ्य कैसे एकत्र किया जाएगा, विश्लेषण किया जाएगा और व्याख्या की जाएगी। इस शोध में मात्रात्मक दृष्टिकोण अपनाया गया है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी फिल्मों के प्रभाव का आंकड़ों के माध्यम से मूल्यांकन किया जा सके। भोपाल में 200 प्रतिभागियों (100 पुरुष और 100 महिलाएं) से तथ्य एकत्र करने के लिए संरचित प्रश्नावली और साक्षात्कार तकनीकों का उपयोग किया गया है। इसके अतिरिक्त, द्वितीयक तथ्य के रूप में सरकारी रिपोर्ट्स और पूर्व शोध पत्रों का विश्लेषण किया गया है। मात्रात्मक दृष्टिकोण को इसलिए चुना गया क्योंकि यह तथ्य-संचालित निष्कर्षों को प्राप्त करने में सहायक है और संख्यात्मक तथ्य की सहायता से स्वास्थ्य फिल्मों के प्रभाव को मापा जा सकता है। संख्यात्मक तथ्य को प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों से एकत्रित किया गया और SPSS व Excel जैसे सॉफ़्टवेयर की सहायता से सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान डिज़ाइन अपनाया गया, जिससे स्वास्थ्य जागरूकता, व्यवहार परिवर्तन और फिल्मों की प्रभावशीलता को मापने में सहायता मिली।
तथ्य संग्रह के लिए प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों का उपयोग किया गया। प्राथमिक तथ्य के अंतर्गत संरचित प्रश्नावली और साक्षात्कार शामिल थे, जिनसे प्रतिभागियों के स्वास्थ्य जागरूकता स्तर और फिल्मों के प्रति उनकी प्रतिक्रिया को मापा गया। वहीं, द्वितीयक तथ्य सरकारी रिपोर्ट्स, स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा प्रकाशित तथ्य, जनसंपर्क विभाग की रिपोर्ट्स और पूर्व में प्रकाशित शोध पत्रों से प्राप्त किया गया, जो स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों की ऐतिहासिक प्रभावशीलता को समझने में सहायक रहे। नमूना चयन प्रक्रिया के तहत 18 से 60 वर्ष आयु समूह के विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले 200 प्रतिभागियों को आकस्मिक नमूना चयन विधि द्वारा चुना गया, जिससे निष्पक्ष और प्रतिनिधि तथ्य एकत्र किया जा सके।

तथ्य संग्रह और विश्लेषण के लिए प्रश्नावली और साक्षात्कार प्रपत्र जैसे उपकरणों का उपयोग किया गया। प्रश्नावली में 20 प्रश्न शामिल थे, जो स्वास्थ्य जागरूकता, व्यवहार परिवर्तन और माध्यम की प्रभावशीलता को मापने के लिए डिज़ाइन किए गए थे। साथ ही, साक्षात्कार प्रपत्र के माध्यम से प्रतिभागियों के विस्तृत विचार और अनुभव जानने का प्रयास किया गया। SPSS और Microsoft Excel सॉफ़्टवेयर की सहायता से सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया, जिसमें मीन, स्टैंडर्ड डेविएशन और पर्सेंटेज का उपयोग किया गया।

शोध प्रक्रिया के दौरान नैतिकता को प्राथमिकता दी गई। प्रत्येक प्रतिभागी से सूचित सहमति ली गई और उनकी व्यक्तिगत जानकारी को गोपनीय रखा गया। इसके अतिरिक्त, शोध को संबंधित संस्थानों से स्वीकृति प्राप्त करने के बाद ही प्रारंभ किया गया। हालांकि, इस अध्ययन की कुछ सीमाएँ भी थीं, जैसे कि केवल भोपाल क्षेत्र तक सीमित तथ्य संग्रह, जिससे व्यापक निष्कर्ष निकालने में कुछ कठिनाई हो सकती है। इसके अलावा, मात्रात्मक दृष्टिकोण अपनाने के कारण प्रतिभागियों की गहराई से भावनात्मक प्रतिक्रिया को मापा नहीं जा सका।

भविष्य में इस अध्ययन का विस्तार अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में किया जा सकता है और गुणात्मक शोध पद्धति अपनाकर अधिक गहन अंतर्दृष्टि प्राप्त की जा सकती है। समग्र रूप से, इस शोध में मात्रात्मक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए भोपाल क्षेत्र के 200 प्रतिभागियों से तथ्य एकत्रित किया गया। संरचित प्रश्नावली और साक्षात्कार के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता, व्यवहार परिवर्तन और फिल्मों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया। द्वितीयक तथ्य के रूप में सरकारी रिपोर्ट्स और पूर्व शोध पत्रों का विश्लेषण कर अध्ययन को मजबूत किया गया। यह शोध न केवल स्वास्थ्य फिल्मों के प्रभाव को मापने में सहायक है, बल्कि नीति निर्माताओं और जनसंपर्क विभाग को भविष्य की रणनीतियाँ बनाने में भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

4. तथ्य विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका 1: स्वास्थ्य जागरूकता का मूल्यांकन

क्र. सं.	विवरण	उत्तरदाता	प्रतिशत (%)	टिप्पणी
1	स्वास्थ्य जागरूकता में वृद्धि	पुरुष	65%	सकारात्मक वृद्धि
2	स्वास्थ्य जागरूकता में वृद्धि	महिला	75%	अधिक प्रभाव

व्याख्या:तालिका1 के अनुसार, पुरुषों में 65% और महिलाओं में 75% ने स्वास्थ्य जागरूकता में वृद्धि दर्ज की, जिससे स्पष्ट होता है कि स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में महिलाओं पर स्वास्थ्य फिल्मों का अधिक प्रभाव पड़ा। महिलाओं ने स्वास्थ्य फिल्मों में दिखाए गए संदेशों को बेहतर तरीके से आत्मसात किया, जो परिवार और बच्चों के स्वास्थ्य प्रबंधन में उनकी प्रमुख भूमिका को भी दर्शाता है। महिलाओं में उच्च स्वास्थ्य जागरूकता का कारण यह हो सकता है कि वे परिवार में स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों में अधिक सक्रिय रहती हैं और स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग करने में रुचि रखती हैं। इसके विपरीत, पुरुषों में स्वास्थ्य जागरूकता में वृद्धि 65% तक सीमित रही, जो संकेत करता है कि वे स्वास्थ्य संदेशों को उतनी गहराई से ग्रहण नहीं कर पाए। इस अंतर का एक अन्य कारण यह हो सकता है कि पुरुष स्वास्थ्य जागरूकता को प्राथमिकता देने के बजाय अपने व्यावसायिक और सामाजिक दायित्वों में अधिक व्यस्त रहते हैं।

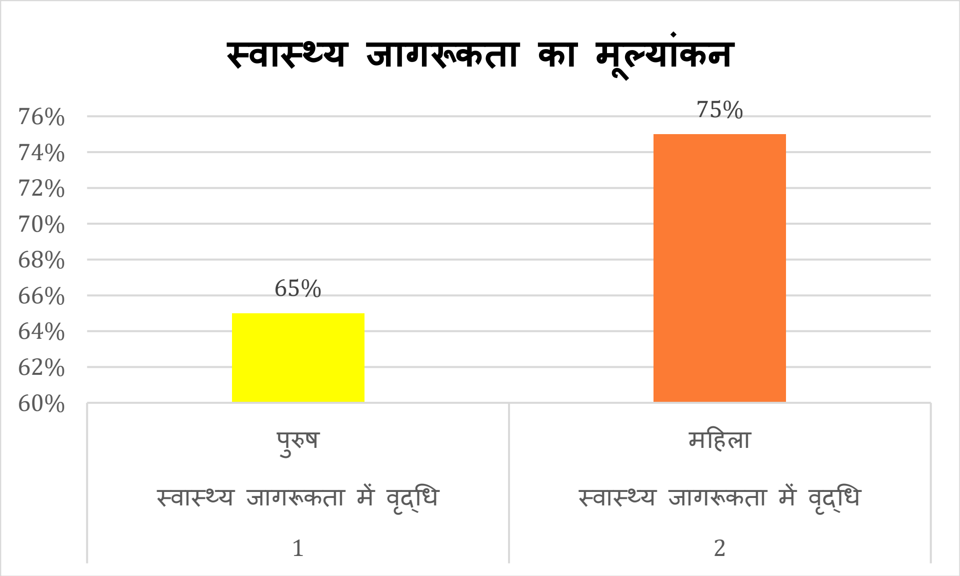

तालिका 2: व्यवहार परिवर्तन का अध्ययन

क्र. सं.	विवरण	उत्तरदाता	प्रतिशत (%)	टिप्पणी
1	व्यवहार परिवर्तन	पुरुष	55%	मध्यम स्तर
2	व्यवहार परिवर्तन	महिला	68%	बेहतर परिवर्तन

व्याख्या:तालिका2 के अनुसार, पुरुषों में 55% और महिलाओं में 68% ने स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार परिवर्तन को स्वीकार किया। यह दर्शाता है कि स्वास्थ्य फिल्मों ने महिलाओं को व्यवहार में परिवर्तन लाने के लिए अधिक प्रेरित किया। महिलाओं ने स्वास्थ्य सलाह को अपने दैनिक जीवन में अपनाया, जैसे कि स्वच्छता बनाए रखना, संतुलित आहार लेना, नियमित स्वास्थ्य जांच करवाना, और व्यायाम करना। इसके अलावा, मातृ और शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी को भी उन्होंने प्राथमिकता दी। दूसरी ओर, पुरुषों में व्यवहार परिवर्तन मध्यम स्तर पर रहा, जो उनके पारंपरिक दृष्टिकोण और स्वास्थ्य के प्रति सीमित जागरूकता को दर्शाता है। हालांकि पुरुष भी स्वास्थ्य संदेशों से प्रभावित हुए, लेकिन उनकी व्यावसायिक व्यस्तताओं और स्वास्थ्य व्यवहार में बदलाव लाने की कम प्रेरणा के कारण वे स्वास्थ्य सलाह को पूरी तरह अपनाने में असमर्थ रहे।

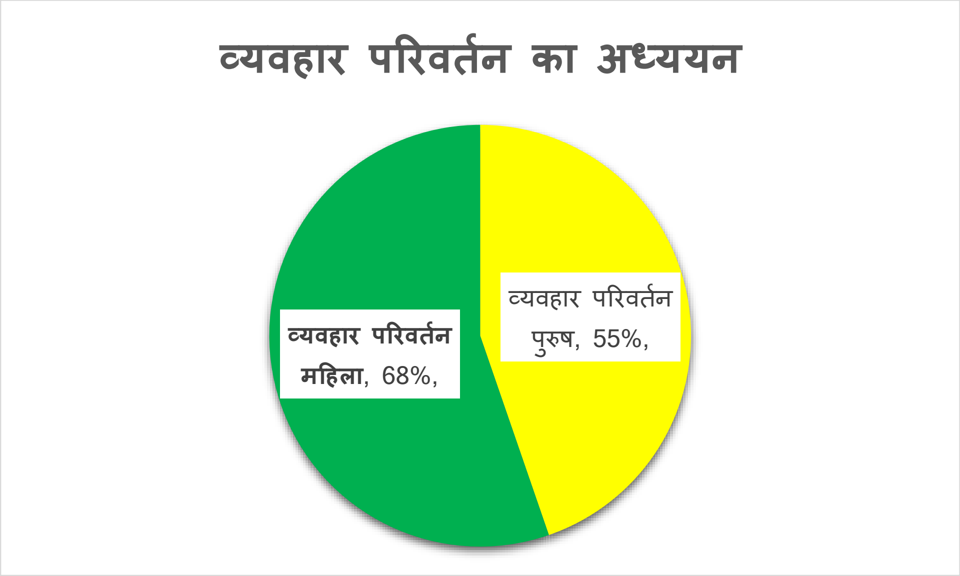

तालिका 3: माध्यम की प्रभावशीलता का विश्लेषण

क्र. सं.	विवरण	उत्तरदाता	प्रतिशत (%)	टिप्पणी
1	माध्यम की प्रभावशीलता	पुरुष	70%	संतोषजनक
2	माध्यम की प्रभावशीलता	महिला	80%	उच्च प्रभाव

व्याख्या:

तालिका 3 में पुरुषों ने 70% और महिलाओं ने 80% माध्यम की प्रभावशीलता को स्वीकार किया। इसका अर्थ है कि महिलाओं ने स्वास्थ्य फिल्मों को एक प्रभावी संचार माध्यम के रूप में अधिक स्वीकार किया। फिल्मों में प्रस्तुत दृश्यात्मक सामग्री, वास्तविक जीवन के उदाहरण और सरल भाषा ने महिलाओं को स्वास्थ्य संदेशों को समझने और अपनाने में सहायता की। महिलाओं ने स्वास्थ्य फिल्मों को अपने स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों में सहायक पाया, विशेषकर जब वे परिवार स्वास्थ्य से जुड़े निर्णय ले रही थीं। इसके विपरीत, पुरुषों ने भी माध्यम को संतोषजनक माना, लेकिन उनके लिए स्वास्थ्य फिल्मों का प्रभाव महिलाओं की तुलना में कम प्रभावी रहा। इसका कारण यह हो सकता है कि पुरुषों ने स्वास्थ्य फिल्मों को मनोरंजन के दृष्टिकोण से देखा और स्वास्थ्य संदेशों पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया।

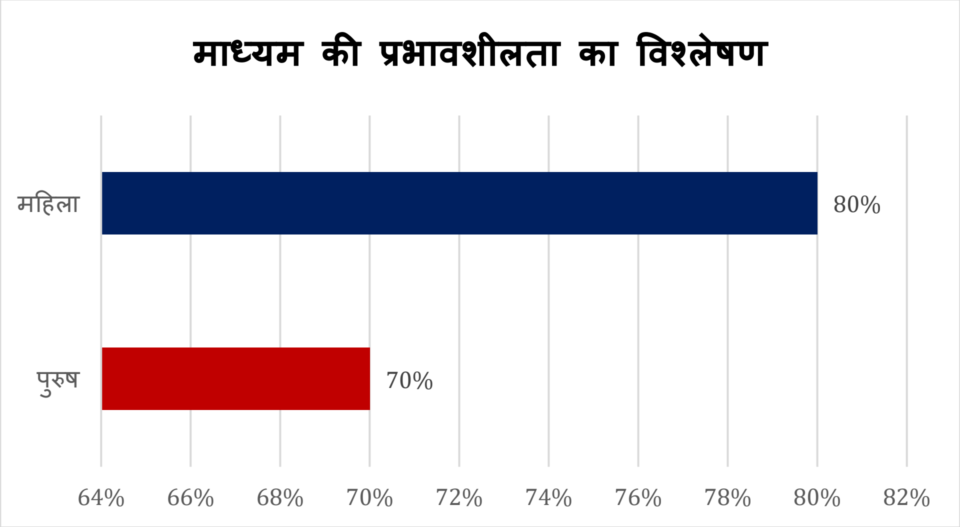

तालिका 4: कुल प्रभाव

क्र. सं.	विवरण	उत्तरदाता	प्रतिशत (%)	टिप्पणी

1	कुल	200	68.83%	सामान्य प्रभाव

व्याख्या:तालिका4 के अनुसार, कुल 68.83% उत्तरदाताओं ने स्वास्थ्य जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन में सकारात्मक प्रभाव अनुभव किया। महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन का प्रतिशत अधिक था, जिससे स्पष्ट होता है कि स्वास्थ्य फिल्मों ने महिलाओं को जागरूक करने में प्रभावी भूमिका निभाई। महिलाओं में स्वास्थ्य जानकारी को आत्मसात करने और उसे व्यवहार में लाने की क्षमता अधिक दिखाई दी। दूसरी ओर, पुरुषों ने भी स्वास्थ्य फिल्मों से लाभ उठाया, लेकिन उनका योगदान तुलनात्मक रूप से कम था। कुल मिलाकर, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि स्वास्थ्य फिल्मों ने महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अध्ययन के अनुसार, महिलाओं ने स्वास्थ्य फिल्मों को ज्ञानवर्धन का एक प्रमुख स्रोत माना और इसे अपने परिवार की भलाई के लिए उपयोग किया, जिससे संपूर्ण समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

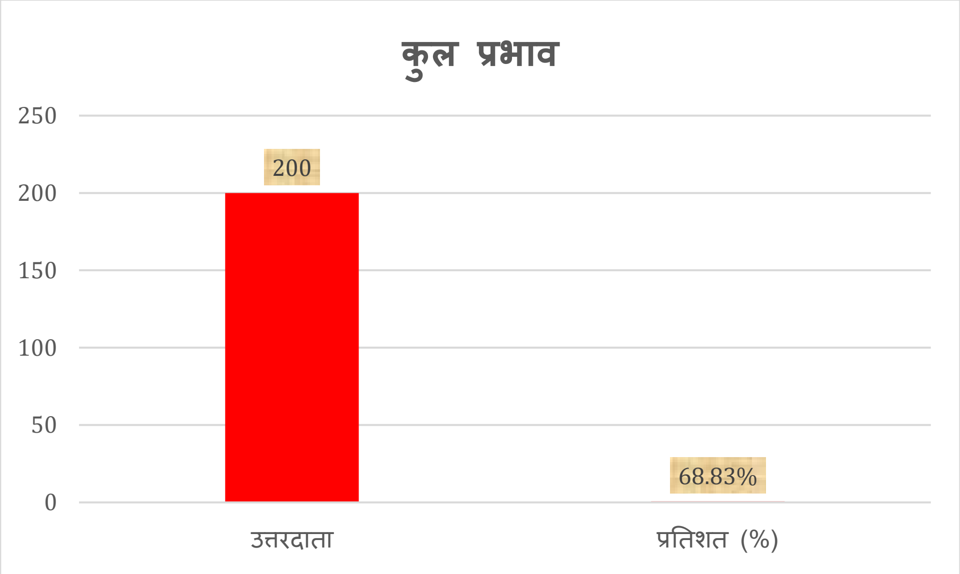

5. निष्कर्ष

स्वास्थ्य संबंधी फिल्मों के प्रभाव का अध्ययन करने के बाद यह स्पष्ट होता है कि 'मध्यप्रदेश माध्यम' द्वारा निर्मित स्वास्थ्य फिल्मों ने भोपाल के नागरिकों में स्वास्थ्य जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस शोध में 200 प्रतिभागियों (100 पुरुष और 100 महिलाएं) से प्राप्त तथ्यों के विश्लेषण के आधार पर कुछ प्रमुख निष्कर्ष सामने आए हैं।

1. स्वास्थ्य जागरूकता में वृद्धि

महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता का स्तर पुरुषों की तुलना में अधिक था। 75% महिलाओं ने स्वीकार किया कि स्वास्थ्य फिल्मों ने उनकी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी में वृद्धि की, जबकि 65% पुरुषों ने भी इसी प्रकार का अनुभव किया। महिलाओं में यह वृद्धि इसलिए भी अधिक रही क्योंकि वे परिवार की देखभाल और स्वास्थ्य प्रबंधन में अधिक सक्रिय भूमिका निभाती हैं।

2. व्यवहार परिवर्तन

स्वास्थ्य फिल्मों के प्रभाव से महिलाओं में व्यवहारगत परिवर्तन अधिक देखा गया। 68% महिलाओं ने बताया कि उन्होंने स्वास्थ्य फिल्मों में दिखाए गए सुझावों को अपनाया, जैसे कि स्वच्छता बनाए रखना, संतुलित आहार लेना, नियमित व्यायाम करना और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना। पुरुषों में यह प्रतिशत 55% रहा, जो मध्यम स्तर का व्यवहार परिवर्तन दर्शाता है।

जनसंपर्क माध्यम की प्रभावशीलता

स्वास्थ्य फिल्मों की प्रभावशीलता का भी मूल्यांकन किया गया, जिसमें 80% महिलाओं और 70% पुरुषों ने इन फिल्मों को स्वास्थ्य संदेशों के प्रभावी संचार माध्यम के रूप में स्वीकार किया। फिल्मों में प्रयोग की गई दृश्यात्मक सामग्री, सरल भाषा और वास्तविक जीवन के उदाहरणों ने विशेष रूप से महिलाओं पर सकारात्मक प्रभाव डाला।

कुल प्रभाव

कुल मिलाकर, 68.83% उत्तरदाताओं ने स्वास्थ्य फिल्मों के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन में सुधार अनुभव किया। यह आंकड़ा दर्शाता है कि स्वास्थ्य फिल्मों ने समाज में स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देने में सार्थक भूमिका निभाई है।

महिलाओं पर अधिक प्रभाव

इस अध्ययन में यह स्पष्ट हुआ कि महिलाओं पर स्वास्थ्य फिल्मों का प्रभाव अधिक था। महिलाओं ने स्वास्थ्य संदेशों को न केवल आत्मसात किया, बल्कि उन्हें अपने दैनिक जीवन में भी लागू किया। परिवार के स्वास्थ्य प्रबंधन में उनकी भूमिका के कारण यह प्रभाव और अधिक प्रकट हुआ।

पुरुषों में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता
हालांकि पुरुषों ने भी स्वास्थ्य फिल्मों को उपयोगी पाया, लेकिन उनका व्यवहार परिवर्तन तुलनात्मक रूप से कम था। यह इंगित करता है कि स्वास्थ्य संचार अभियानों में पुरुषों को अधिक सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए विशेष रणनीतियाँ अपनाई जानी चाहिए।

6. निष्कर्षत

यह शोध दर्शाता है कि 'मध्यप्रदेश माध्यम' द्वारा निर्मित स्वास्थ्य फिल्में लोगों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और व्यवहारगत परिवर्तन लाने में प्रभावी सिद्ध हुई हैं। महिलाओं में इन फिल्मों का प्रभाव विशेष रूप से उच्च रहा, जबकि पुरुषों में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिला। सरकार और जनसंपर्क विभाग के लिए यह अध्ययन स्वास्थ्य संचार अभियानों को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगा। भविष्य में, व्यापक क्षेत्रों और विविध जनसंख्या समूहों को शामिल करते हुए इस प्रकार के अध्ययनों का विस्तार किया जा सकता है, जिससे स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों की प्रभावशीलता को और अधिक बढ़ाया जा सके।

स्वास्थ्य संबंधी फिल्मों के प्रभाव का अध्ययन करने के बाद यह स्पष्ट होता है कि इन फिल्मों ने लोगों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेष रूप से महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन की उच्च दर ने यह दर्शाया कि स्वास्थ्य फिल्मों ने उन्हें स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को बेहतर तरीके से समझने और अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं ने परिवार की देखभाल और बच्चों के स्वास्थ्य प्रबंधन में भी स्वास्थ्य फिल्मों से प्राप्त जानकारी का प्रभावी उपयोग किया। वहीं, पुरुषों में भी स्वास्थ्य जागरूकता में वृद्धि देखी गई, हालांकि उनका व्यवहार परिवर्तन महिलाओं की तुलना में कम रहा।

स्वास्थ्य फिल्मों की प्रभावशीलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि वे किस प्रकार प्रस्तुत की जाती हैं। फिल्मों में दिखाए गए दृश्य, कथानक और संदेश दर्शकों पर गहरा प्रभाव डालते हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और कम शिक्षित समुदायों में, दृश्य-श्रव्य माध्यमों ने जटिल स्वास्थ्य संदेशों को सरल और प्रभावी रूप में प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य फिल्मों ने सामाजिक मुद्दों जैसे कि स्वच्छता, पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण और जीवनशैली रोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में भी मदद की।

सुझाव -

1. **स्वास्थ्य फिल्मों की संख्या और वितरण में वृद्धि**
स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य फिल्मों की संख्या में वृद्धि करना आवश्यक है। विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य फिल्मों को उपलब्ध कराना चाहिए, जहां स्वास्थ्य सेवाओं और जानकारी की कमी हो सकती है। स्थानीय सामुदायिक केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और स्कूलों में इन फिल्मों की स्क्रीनिंग की जा सकती है। इसके अलावा, स्वास्थ्य शिविरों और सामाजिक आयोजनों के माध्यम से भी इनका प्रसार किया जा सकता है।
2. **स्थानीय भाषाओं में फिल्मों का निर्माण**
दर्शकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचने के लिए स्वास्थ्य फिल्मों को स्थानीय भाषाओं और बोलियों में निर्मित किया जाना चाहिए। स्थानीय भाषा में संवाद और सांस्कृतिक संदर्भों को ध्यान में रखते हुए बनाई गई फिल्में दर्शकों को अधिक प्रभावित करती हैं। इससे दर्शकों को स्वास्थ्य संदेशों को समझने और अपनाने में आसानी होती है। इसके अलावा, विभिन्न जनजातीय और ग्रामीण क्षेत्रों में क्षेत्रीय भाषाओं में स्वास्थ्य फिल्मों को उपलब्ध कराना भी अत्यंत आवश्यक है।
3. **मल्टीमीडिया माध्यमों का अधिक उपयोग**
डिजिटल मीडिया और मल्टीमीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से स्वास्थ्य फिल्मों को व्यापक रूप से प्रचारित किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया, मोबाइल एप्लिकेशन, यूट्यूब और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स जैसी डिजिटल सेवाएं, स्वास्थ्य फिल्मों को बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचाने में सहायक हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, टेलीविजन और रेडियो जैसे पारंपरिक माध्यमों का उपयोग भी किया जाना चाहिए, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां इंटरनेट की पहुंच सीमित है। स्वास्थ्य संदेशों को एनिमेशन, लघु फिल्में और इंटरैक्टिव वीडियो के माध्यम से भी प्रस्तुत किया जा सकता है, जिससे दर्शकों की रुचि और भागीदारी बढ़ेगी।

नीति निर्माताओं के लिए सुझाव :

- **लक्षित संचार रणनीति:**महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों को भी ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य फिल्मों की विषयवस्तु तैयार की जानी चाहिए।
- **सामुदायिक भागीदारी:**स्वास्थ्य फिल्मों के प्रभाव को बढ़ाने के लिए समुदाय आधारित कार्यक्रमों और स्वास्थ्य कार्यशालाओं का आयोजन किया जा सकता है।

- **मल्टीप्लेटफ़ॉर्मवितरण:**डिजिटल मीडिया, टीवी और सोशल मीडिया जैसे माध्यमों का उपयोग कर स्वास्थ्य फिल्मों की पहुंच बढ़ाई जानी चाहिए।
- **अनुवर्ती मूल्यांकन:**स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों की प्रभावशीलता को समय-समय पर मापा जाना चाहिए, जिससे आवश्यक सुधार किए जा सकें।

संदर्भ सूची

बोटचवे, एस., बेटियोल, एस., वैनशाल्कविक, एम.सी.आई., सिम्पसन, डी., फ्लोडग्रेन, जी., और होआंग, यू. (2017)। स्वास्थ्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए फिल्मों के साक्ष्य आधार का विकास करना। यह अध्ययन स्वास्थ्य फिल्मों की प्रभावशीलता और उनके साक्ष्य-आधारित उपयोग पर केंद्रित है। सार्वजनिक स्वास्थ्य में परिप्रेक्ष्य, 137(6), 324–325।

यांग, क्यू., और वैनस्टी, एस.के. (2023)। वीडियो-आधारित स्वास्थ्य संवर्धन कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने वाली एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। रोगी शिक्षा और परामर्श, 106(1), 180–193।

वेटरलॉस, जे.एम., पैटन, ई.वी., रोश, सी., और यंग, जे.ए. (2023) स्वास्थ्य व्यवहार पर सोशल मीडिया प्रभावितों का प्रभाव: स्वास्थ्य संवर्धन में सोशल मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालने वाला एक व्यवस्थित अध्ययन। सामाजिक विज्ञान और चिकित्सा, 324, 115845.

फाउलकेस, एल., और एंड्रयूज, जे. एल. (2023) मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों की समीक्षा, विश्लेषण करते हुए कि स्वास्थ्य फिल्में आत्म-निदान की प्रवृत्ति में कैसे योगदान करती हैं। जर्नल ऑफ एडोलसेंस, 94, 281–285.

विलियम्स, जी., और डिस्मोर, एच. (2023). किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए फिल्म-आधारित हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता पर व्यवस्थित समीक्षा। जर्नल ऑफ साइकियाट्री रिसर्च, 149, 234–241.

विश्व स्वास्थ्य संगठन। (2022). स्वास्थ्य फिल्मों के स्वास्थ्य प्रभाव को रेखांकित करने वाला एक अध्ययन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा प्रकाशित।

फ्लेमिंग, टी.एम., बाविन, एल., लुकासेन, एम., स्टैसियाक, के., हॉपकिंस, एस., और मेरी, एस.एन. (2023)। मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए डिजिटल गेम की प्रभावशीलता पर एक व्यवस्थित समीक्षा, स्वास्थ्य फिल्मों के समान डिजिटल हस्तक्षेपों का मूल्यांकन। डिजिटल स्वास्थ्य, 9, 20552076231220814।

बैरी, एम.एम., क्लार्क, ए.एम., पीटरसन, आई., और जेनकिंस, आर. (2022)। इस अध्ययन ने सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति में कला और फिल्मों की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया, नीति निर्माण में फिल्मों के उपयोग पर प्रकाश डाला। लैंसेट पब्लिक हेल्थ, 7(1), ई10–ई15।

मूरहेड, एस. ए., हेज़लेट, डी. ई., हैरिसन, एल., कैरोल, जे. के., इरविन, ए., और होविंग, सी. (2023)। स्वास्थ्य संचार में सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों की भूमिका को दर्शाने वाला एक नया मॉडल। जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 25, 147–156।

विश्व स्वास्थ्य संगठन। (2023)। मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में सोशल मीडिया अभियानों और सार्वजनिक सेवा घोषणाओं की प्रभावशीलता पर एक व्यवस्थित समीक्षा। सामाजिक विज्ञान और चिकित्सा, 324, 115845।